तय समय सीमा तक जमा नहीं किया ऋण, अब भरना होगा तगड़ा ब्याज

नवभारत न्यूज

बैतूल, 3 मई. जिले के करीब दस हजार किसानों ने अभी भी ऋण जमा नहीं किया है। तय समय सीमा तक ऋण जमा नहीं करने से यह किसान डिफाल्टर घोषित हो गये है।

जिले के दस हजार किसान डिफाल्टर घोषित

अब 12 प्रतिशत ब्याज दर से चुकाना होगा ऋण

अब इन किसानों को न तो सोसायटियों से खाद्य-बीज मिलेगा और न ही शून्य प्रतिशत ब्याज दर से ऋण मिल पायेगा। जब तक कि किसान सहकारी बैंक के ऋण का भुगतान नहीं करते है। सबसे खासबात यह है कि अब इन किसानों को 12 प्रतिशत ब्याज दर के साथ ऋण जमा करना होगा। जिला सहकारी बैंक से मिली जानकारी के अनुसार जिले में खरीफ और रबी सीजन के लिए कुल 1 लाख 37 हजार किसानों ने 467 करोड़ का ऋण लिया था। जिसमें से खरीफ सीजन के लिए 82 हजार किसानों ने 364 करोड़ रूपये का ऋण लिया था, वहीं रबी सीजन के लिए 58 हजार किसानों को 176 करोड़ का ऋण बांटा है। इसमें से फरवरी तक 31 हजार किसानों ने 155 करोड़ रूपये ऋण जमा कर दिया है। मार्च में ड्यू डेट तक कुल 72 हजार किसानों ने खरीफ सीजन के लिए लिया गया ऋण 350 करोड़ रूपये जमा कर दिये। शेष ऋण अभी भी किसानों पर बकाया है। इन किसानों को ऋण की अदायगी 28 मार्च 2026 तक करना था। लेकिन दस हजार किसानों ने ड्यू डेट तक भी ऋण जमा नहीं किया। जिसकी वजह से इन किसानों को डिफाल्टर घोषित

कर दिया गया।

खरीफ सीजन के ऋण की 96 प्रतिशत वसूली : खरीफ सीजन के लिए 82 हजार किसानों ने जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक से 364 करोड़ का ऋण लिय था। इसमें से 350 करोड़ रूपये यानि 96 प्रतिशत की वसूली मार्च तक हो चुकी है। वहीं अभी भी दस हजार किसानों पर लगभग 14 करोड़ रूपये की राशि बकाया है। बताया जा रहा है कि अल्पकालीन कृषि ऋण निर्धारित अवधि में जमा करने पर ही शून्य प्रतिशत ब्याज का लाभ मिलता है। तय समय सीमा के बाद भुगतान करने पर 7 प्रतिशत ब्याज देना होता है और ड्यू डेट के बाद ऋण का भुगतान करने पर अब किसानों को 12 प्रतिशत ब्याज देना होगा। जिसमें 10 प्रतिशत ब्याज की राशि और 2 प्रतिशत पेनाल्टी की राशि जोडकर ऋण का भुगतान करना होगा।

फसल बेची तो सीधे कट जाएगी राशि : डिफाल्टर हुए किसानों के लिए अब एक बड़ा नुकसान यह होगा कि वे जैसे ही अपनी फसल समर्थन मूल्य या भावांतर योजना के तहत बेचते है तो उनकी ऋण की राशि कट जायेगी।

खरीफ के लिए मार्च, रबी के लिए जून तक समय

सरकार द्वारा किसानों को खरीफ और रबी सीजन के लिए जीरो प्रतिशत ब्याज दर पर कर्ज मिलता है। खरीफ सीजन के लिए 1 अप्रैल से 30 सितंबर तक लिए गए कर्ज को मार्च माह तक जमा करने पर जीरो प्रतिशत ब्याज लगता है। वहीं रबी फसलों के लिए 1 अक्टूबर से 31 मार्च तक कर्ज मिलता है, जिसे 15 जून तक जमा करने पर कोई ब्याज नहीं लगता है। तय समय सीमा के बाद ऋण जमा करने पर ड्यू डेट तक 7 प्रतिशत और ड्यू डेट के बाद ऋण जमा करने पर किसानों को 12 प्रतिशत ब्याज दर के साथ राशि जमा करनी होती है। जो किसान ऋण जमा नहीं करते है, उन्हें डिफाल्टर घोषित कर दिया जाता है।

खरीफ सीजन में 82 हजार किसानों को 364 करोड़ रूपये का ऋण दिया था, जिसमें से 350 करोड़ का ऋण वसूला जा चुका है। जिन किसानों ने ऋण जमा नहीं किया है, उन्हें डिफाल्टर घोषित कर दिया गया है। ऐसे किसानों को अब 12 प्रतिशत ब्याज दर के साथ ऋण जमा करना होगा।

- परिधि अग्रवाल, सीईओ, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक, बैतूल

1 लाख 91 हजार किसानों के बने हैं क्रेडिट कार्ड

जिले में वैसे तो किसानों की संख्या ढाई लाख से अधिक है, लेकिन इनमें से 1 लाख 91 हजार किसानों का ही क्रेडिट कार्ड बना है। हालांकि कम ही किसान क्रेडिट कार्ड पर ऋण प्राप्त करते है। खरीफ सीजन में मात्र 82 हजार किसानों ने ऋण लिया था, जबकि रबी सीजन में 58 हजार किसानों ने जिला सहकारी बैक से ऋण लिया है। यदि खरीफ सीजन की बात करे, तो किसानों से ऋण वसूली के लिए बैंक कर्मचारियों ने गांव-गांव पहुंचकर ऋण वसूली की। बड़े बकायादारों को नोटिस भी जारी किए गए। इसके बाद भी शत-प्रतिशत वसूली नहीं हो सकी। मार्च तक 82 हजार किसानों में से केवल 72 हजार किसानों ने ही ऋण जमा किया। शेष किसानों ने ऋण वसूला बाकी है।

परीक्षा : बैतूल में छह केंद्रों पर आयोजित हुई नीट की परीक्षा

बैतूल। मेडिकल के क्षेत्र में प्रवेश के लिए सबसे बड़ी नीट की परीक्षा रविवार को दोपहर 2 बजे से शुरू हुई। इस परीक्षा में बैतूल शहर और बैतूल बाजार में कुल छह परीक्षा केंद्रों पर लगभग 2500 परीक्षार्थी शामिल हुए। परीक्षा के लिए प्रशासन और पुलिस ने सभी केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की थी। परीक्षा केंद्रों में गर्ल्स एमएलबी स्कूल गंज, गर्ल्स कॉलेज, पीएम श्री कॉलेज, केंद्रीय विद्यालय बैतूल, एमएलबी हायर सेकेंडरी स्कूल और संदीपनी स्कूल बैतूल बाजार शामिल थे। अभ्यर्थियों का प्रवेश सुबह 11 बजे से शुरू हो गया था। प्रवेश से पहले पुलिस कर्मियों

ने दस्तावेजों की गहन जांच की और मेटल डिटेक्टर से स्क्रीनिंग के बाद ही छात्रों को परिसर में प्रवेश दिया गया। जिला प्रशासन ने परीक्षा की निगरानी के लिए मकसूद अहमद को नोडल अधिकारी नियुक्त किया। उन्होंने बताया कि सभी छह केंद्रों पर परीक्षा शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए कार्यपालिक मजिस्ट्रेट और पुलिस बल तैनात किया गया था। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने भी प्रत्येक केंद्र पर दो-दो पर्यवेक्षक नियुक्त किए। परीक्षा प्रक्रिया की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए प्रत्येक केंद्र पर वीडियोग्राफी की व्यवस्था की गई थी। प्रशासन ने सुरक्षा, अनुशासन और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए विशेष सतर्कता बरती। उल्लेखनीय है कि नीट (नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट) देशभर में एमबीबीएस, बीडीएस सहित अन्य मेडिकल और पैरामेडिकल पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित होने वाली एक प्रमुख परीक्षा है। इसके माध्यम से सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेजों में सीटों का आवंटन किया जाता है, जिससे यह देश की सबसे महत्वपूर्ण प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में से एक है।

हत्या करने वाले दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

बैतूल। सांईखेड़ा थाना क्षेत्र में हुई हत्या की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अज्ञात के खिलाफ दर्ज केस में पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और साइबर सेल की मदद से आरोपियों की पहचान कर उन्हें पकड़ा है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार फरियादी कविता साहू ने 2 मई 2026 को अपने भाई गुरुदेव साहू की मारपीट कर हत्या किए जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसके बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की। मामले की जांच वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में की गई। थाना प्रभारी भैयालाल उइके टीम के साथ ग्राम गौला पहुंचे और घटनास्थल को सुरक्षित कर एफएसएल टीम व डॉग स्क्वॉड की मदद से महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाए। जांच के दौरान आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए और साइबर सेल की मदद से आरोपियों की पहचान की गई। इसके बाद पुलिस ने दबिश देकर गौला निवासी चेतन गोस्वामी और गुड़ी निवासी संदीप कवड़े को हिरासत में लिया। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने हत्या करना स्वीकार कर लिया। पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर न्यायालय मुलताई में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। पुलिस जांच में सामने आया कि मृतक गुरुदेव साहू और आरोपी चेतन गोस्वामी के बीच कृषि सामान को लेकर पुराना विवाद था। 1 मई को दोनों आरोपी मृतक के खेत पहुंचे, जहां कहासुनी के बाद विवाद मारपीट में बदल गया। चेतन ने लकड़ी से हमला किया, जबकि संदीप ने उसे पकड़ रखा था। इसके बाद गला दबाकर हत्या कर दी गई। घटना को छिपाने के लिए आरोपियों ने शव को मोटरसाइकिल से खलिहान तक ले जाकर उस पर पानी डालकर साक्ष्य मिटाने का प्रयास किया। पुलिस अब घटना में प्रयुक्त बाइक और लकड़ी की बरामदगी में जुटी है।

एक नजर में

अवैध शराब बेच रहा युवक पकड़ाया

मुलताई। थाना क्षेत्र के ग्राम मालेगांव में अवैध रूप से शराब बेच रहे युवक को पुलिस ने पकड़ कर उसके पास बेचने के लिए संग्रहित कर रखी अवैध शराब बरामद की है। थाना प्रभारी नरेन्द्र सिंह परिहार ने बताया मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम मालेगांव में अवैध रूप से शराब की बिक्री हो रही है।ग्राम में एक व्यक्ति अपनी दुकान में अवैध रूप से शराब रखकर बिक्री कर रहा है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए सहायक उपनिरीक्षक एम एल गुप्ता, प्रधान आरक्षक गजराज, सुशील धुर्वे, दिनेश बर्डे, आरक्षक अरविंद ,विवेक,कमलेश और छाया की टीम के साथ बताए गए स्थान पर दबिश दी ।दबिश के दौरान दुकान संचालक अलकेश पिता तुकाराम मालवीय पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करने लगा जिसे घेराबंदी कर पकड़ा। टीम द्वारा दुकान की तलाशी लेने पर एक बोरी में अवैध शराब रखी हुई मिली ।बोरी में 20 पाव देशी प्लेन सफेद मदिरा (प्रत्येक 180 एमएल) और10 पाव देशी लाल शराब (प्रत्येक 180 एमएल) में संग्रहित कर रखी हुई थी। इस स्थिति में तीन हजार 200 रुपए कीमत की कुल 30 पाव (लगभग 5 .4 लीटर) अवैध शराब बरामद की गई।वही आरोपी अलकेश मालवीय निवासी ग्राम मालेगांव के खिलाफ धारा 34(ए) आबकारी एक्ट के तहत केस दर्ज कर प्रकरण विवेचना में लिया गया।

सट्टा पट्टी काट रहा युवक धराया

मुलताई। नगरीय सीमा से सटे ग्राम कामथ में सट्टा पट्टी काट रहा युवक पुलिस के हत्थे चढ़ा। थाना प्रभारी नरेंद्र सिंह परिहार ने बताया शनिवार को मुखबिर से सूचना मिली थी कि बिजली ऑफिस के पास कामथ क्षेत्र में एक व्यक्ति अवैध रूप से सट्टा पर्ची लिख रहा है। सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए प्रधान आरक्षक सुशील धुर्वे , आरक्षक अरविंद और विवेक मौके पर पहुंचे। जहां रमेश पिता सेवाराम वामनकर, उम्र 40 वर्ष, निवासी चिखलीखुर्द सट्टा पट्टी काटते हुए मिला। पुलिस टीम ने आरोपी रमेश को पकड़कर उसके पास से सट्टा पर्ची और नगद 560 रुपये जप्त किए ।थाना प्रभारी श्री परिहार ने बताया आरोपी के खिलाफ धारा 4(क) सट्टा एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

जनगणना 2027 के तहत किया जा रहा मकान गणना कार्य

बैतूल। कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी डॉ. सौरभ संजय सोनवणे के कुशल मार्गदर्शन में जिला स्तर से अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी श्रीमती वंदना जाट द्वारा जिले में जनगणना 2027 के प्रथम चरण मकानों की गणना का कार्य पूरी कर्मठता से कराया जा हैं। अपर कलेक्टर जाट द्वारा की जा रही मॉनिटरिंग और फील्ड टीम के उत्साहवर्धन से मैदानी अमले में भी ऊर्जा और उत्साह का प्रवाह हुआ है। जिला योजना अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी नरेन्द्र कुमार गौतम ने बताया कि सुबह से प्रगणक अपने हाउस लिस्टिंग ब्लॉकों में घूम घूमकर कार्य कर रहें हैं। पर्यवेक्षक अपने प्रगणक दल के साथ उनकों तकनीकी और मैदानी सहयोग के लिए उपस्थित हैं। विदित हो कि वर्तमान में 21 चार्ज के लगभग 2800 गणना ब्लॉकों के लिए करीब 2400 प्रगणकों द्वारा फील्ड में नजरी नक्शा तैयार करने एवं मकान नंबरिंग के उपरांत एचएलओ ऐप में मकानों की गणना संबंधी प्रविष्टियों का कार्य किया जा रहा है। लगभग 400 पर्यवेक्षकों द्वारा प्रगणकों के कार्य का सत्यापन करते हुए फील्ड स्तर पर आ रही समस्याओं का निराकरण किया जा रहा है।

स्थानीय ठेकेदार को रोजगार दिया जाए : विधायक

सारनी। भारतीय मजदूर संघ एवं सतपुड़ा ठेकेदार संघ एसोसिएशन के साथ हुई बैठक में विधायक योगेश पंडाग्रे ने मजदूर संघों व ठेकेदारों को आश्वस्त किया कि सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारनी की नव निर्मित 660 मेगावाट इकाई एवं कोयला खदानों में स्थानीय ठेकेदारों को कार्य नियमानुसार आवंटित करने व स्थानीय कामगारों को ही ठेके के कार्यों में रोजगार देने हेतु दोनों ही औद्योगिक संस्थानों में कार्य कर रही मुख्य कंपनियों को निर्देशित किया जाएगा। सारनी स्थित सर्किट हाउस में हुई ठेकेदार संघों की बैठक में विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे ने संघ के प्रतिनिधियों से कहा कि

कोयलांचल एवं सारनी में नवीन उद्योगों में स्थानीय लोगो को रोजगार प्राप्त हो यही हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि कंपनी एवं ठेकेदारों को श्रमिकों को शासन द्वारा निर्धारित वेतन का भुगतान हर हाल में कर मजदूरों को सुरक्षा उपकरण के साथ ही शासन द्वारा निहित सुविधाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाएगा। कंपनी अथवा ठेकेदार द्वारा शोषण कि शिकायत आने पर त्वरित कार्रवाई सम्बन्धित द्वारा कराने निर्देशित किया जाएगा, उन्होंने मजदूर संघों से उनकी मांगों अथवा नियमानुसार प्राप्त होने वाली श्रम सुविधाओं को सूचीबद्ध कर उन्हें उपलब्ध कराने के लिए कहा।

8 मई को थैलेसीमिया दिवस पर निकलेगी जागरुकता रैली

बैतूल। आगामी 8 मई को विश्व थैलेसीमिया दिवस के अवसर पर शहर में जागरूकता रैली निकाली जाएगी। इस संबंध में मां शारदा सहायता समिति द्वारा नेहरू पार्क में शाम 5 बजे बैठक आयोजित की गई, जिसमें समिति के सदस्यगण उपस्थित रहे और कार्यक्रम की रूपरेखा तय की गई। समिति के मीडिया प्रभारी संदीप सोलंकी ने जानकारी बताया कि 8 मई को प्रात: 7 बजे कारगिल चौक से जिला अस्पताल तक रैली निकाली जाएगी। रैली में समिति के सदस्यों के साथ-साथ नागरिकों की भी भागीदारी रहेगी, जिससे अधिक से अधिक लोगों तक थैलेसीमिया के प्रति जागरूकता पहुंचाई जा सके। बैठक को संबोधित करते शैलेन्द्र बिहारिया ने कहा कि थैलेसीमिया एक गंभीर आनुवंशिक रक्त विकार है, जो सीधे तौर पर हीमोग्लोबिन के निर्माण को प्रभावित करता है। भारत में हर साल बडी संख्या में बच्चे थैलेसीमिया के साथ जन्म लेते हैं, इसलिए इस बीमारी के प्रति जागरूकता बढ़ाना बेहद आवश्यक है। समय पर जांच और सही जानकारी से इस बीमारी की रोकथाम संभव है। बैठक में थैलेसीमिया से पीडित बच्चों का सम्मान करने, रक्तदान को बढावा देने तथा जागरूकता कार्यक्रमों को व्यापक रूप देने जैसे कई महत्वपूर्ण सुझाव भी रखे गए।

तवा-2 खदान में गुणवत्ता का किया निरीक्षण

पाथाखेड़ा। वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के निदेशक (वित्त) बिक्रम घोष ने पाथाखेड़ा क्षेत्र स्थित तवा-2 भूमिगत खदान का निरीक्षण कर उत्पादन, गुणवत्ता और कार्यप्रणाली का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने खदान में कार्यरत कर्मचारियों, कामगारों एवं अधिकारियों से संवाद कर उनकी कार्यशैली की सराहना की। निरीक्षण के दौरान निदेशक घोष ने अपने संबोधन में कहा कि वित्त वर्ष में पाथाखेड़ा क्षेत्र ने कोयले की गुणवत्ता के क्षेत्र में शत-प्रतिशत उपलब्धि हासिल कर उल्लेखनीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। विश्वास जताया कि वित्त वर्ष 2026-27 में

भी पाथाखेड़ा क्षेत्र निर्धारित एपीपी लक्ष्य के साथ-साथ आंतरिक लक्ष्यों को भी सफलतापूर्वक प्राप्त करेगा। उन्होंने कार्य में निरंतरता, अनुशासन और गुणवत्ता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। उनके साथ तकनीकी सचिव सुरोजित सरकार एवं चन्द्रशेखर झाड़े उपस्थित रहे। क्षेत्रीय महाप्रबंधक संजय एम. मिश्रा ने निदेशक (वित्त) एवं टीम का पाथाखेड़ा क्षेत्र में आगमन पर आभार व्यक्त करते हुए इसे कर्मचारियों के लिए प्रेरणादायी बताया।

अनदेखी : आड़े-तिरछे खड़े बिजली के खंभों से खतरा

पाथाखेड़ा। मरकाढाना-छूरी पहुंच मार्ग पर बिजली निर्माण में भारी अनियमितताएं उजागर, मड़काढाना से छोरी पहुंच मार्ग पर विद्युत विभाग की लापरवाही और निर्माण कार्य में गंभीर अनियमितताओं का मामला सामने आया है।

सड़क मार्ग पर लगे कई बिजली के खंभे पूरी तरह झुककर गिरने की स्थिति में पहुंच चुके हैं, जिससे कभी भी बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है। सूत्रों के अनुसार, इस मार्ग पर हाल ही में किए गए बिजली लाइन निर्माण कार्य में गुणवत्ता का पूरी तरह अभाव देखने को मिला है। खंभों

की गहराई मानकों के अनुरूप नहीं रखी गई, जिसके कारण वे अस्थिर हो गए हैं।

वहीं तारों की मोटाई (एमएम) में भी कमी पाई गई है, जो तकनीकी दृष्टि से बेहद गंभीर लापरवाही मानी जा रही है।ग्रामीणों ने बताया कि सारनी से लगे छूरी गांव की ओर जाने वाली सड़क पर कई स्थानों पर इसी प्रकार की खामियां सामने आ रही हैं। निर्माण कार्य में ठेकेदार द्वारा मनमानी और विभागीय अधिकारियों की अनदेखी के चलते स्थिति और भी चिंताजनक बन गई है। हैरानी की बात यह है कि बार-बार शिकायतों के बावजूद बिजली विभाग ने अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है। क्षेत्रवासियों में इसको लेकर भारी आक्रोश है और उन्होंने प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते इन खतरनाक खंभों को दुरुस्त नहीं किया गया, तो यह लापरवाही किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। लोगों ने जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई और निर्माण कार्य की उच्च स्तरीय जांच की मांग उठाई है।

मुलाकात 24 पीड़ित परिवारों को दी तत्काल 10-10 हजार की नगद राहत राशि

संकट की घड़ी में मध्यप्रदेश सरकार पीड़ित परिवारों के साथ : हेमंत खंडेलवाल

बैतूल। भीमपुर ब्लॉक के ग्राम बर्राढाना में हुई भीषण आगजनी के बाद पीड़ित परिवारों को राहत पहुंचाने के लिए शासन प्रशासन संवेदनशीलता के साथ सक्रिय है।

रविवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं बैतूल विधायक हेमंत खंडेलवाल ने जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचकर प्रभावित ग्रामीणों से मुलाकात कर ढांढस बंधाया और उन्हें हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया। इस दौरान उन्होंने आगजनी से प्रभावित सभी परिवारों को व्यक्तिगत रूप से तात्कालिक आर्थिक 10 -10 हजार रुपए की नगद सहायता राशि प्रदान

की, जिससे पीड़ितों को तुरंत राहत मिल सके। विधायक श्री खंडेलवाल ने इस संबंध में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से भी चर्चा की है, जिसमें संवेदनशील मुख्यमंत्री जी द्वारा आगजनी पीड़ित परिवारों को अतिरिक्त आर्थिक सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया गया है। विधायक श्री खंडेलवाल ने कहा कि बैतूल और भैंसदेही दोनों विधायकों की स्वेच्छानुदान निधि से प्रत्येक प्रभावित परिवार को 20-20 हजार रुपए की अतिरिक्त सहायता दी जाएगी। साथ ही आरबीसी 6-4 के प्रावधान के तहत भी पीड़ितों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नुकसान का विस्तृत आंकलन कर शीघ्र आर्थिक सहायता वितरित की जाए तथा पुनर्वास की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इस अवसर पर उपाध्यक्ष जन अभियान परिषद मोहन नागर, विधायक भैंसदेही महेंद्र सिंह चौहान, जिला विकास सलाहकार समिति सदस्य सुधाकर पवार, कलेक्टर डॉ. सौरभ संजय सोनवणे सहित प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

आगजनी से हुआ भारी नुकसान

शनिवार शाम ग्राम पंचायत बाशिंदा के बर्राढाना में अचानक लगी आग तेज हवाओं के कारण विकराल हो गई, जिससे मकान, घरेलू सामान और अनाज जलकर नष्ट हो गया। इस घटना में करीब 24 परिवार प्रभावित हुए हैं, जिनमें लगभग 18 परिवारों को भारी और 6 को आंशिक नुकसान हुआ है। शासन प्रशासन ने पीड़ित परिवारों के लिए राशन इत्यादि की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई हैं। वहीं स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रभावित परिवारों का स्वास्थ्य परिक्षण भी कराया गया है। साथ ही सामाजिक संस्थाएं भी पीड़ितों की मदद के लिए आगे आ रही हैं। विधायक श्री खंडेलवाल ने राहत कार्यों का अवलोकन भी किया और पीड़ित परिवारों से मुलाकात के दौरान श्री खंडेलवाल ने भरोसा दिलाया कि आर्थिक सहायता और पुनर्वास की हर संभव व्यवस्था प्राथमिकता के साथ की जाएगी, ताकि परिवार जल्द सामान्य जीवन में लौट सकें।

माचना से जलकुंभी हटाने जुटे श्रमदानियों के हाथ

बैतूल। जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 के अंतर्गत जिले की जीवनदायिनी मां माचना नदी को जल खरपतवार जलकुंभी से मुक्त करने के उद्देश्य से नियमित श्रमदान के तहत रविवार को पुन: विशेष श्रमदान अभियान आयोजित किया गया।

यह अभियान पद्मश्री मोहन नागर उपाध्यक्ष मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद व राज्य मंत्री दर्जा के नेतृत्व में सदर क्षेत्र स्थित घाट पर प्रात: 7 बजे से 9 बजे तक संचालित हुआ। लगातार दूसरे रविवार को चले इस अभियान में लगभग 55 श्रमदानियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए नदी से जलकुंभी निकालने का कार्य किया। इस अवसर पर पद्मश्री मोहन नागर द्वारा जल संवाद करते

हुए सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया और कहा कि मां माचना बैतूल की जीवनदायिनी व तवा में मिलकर यह मां नर्मदा की सहायक नदी है, इसकी रक्षा करना हम सबका कर्त्तव्य है। मानव संकल्प और मानव श्रम से कोई भी कार्य सम्भव हो जाता है। उन्होंने आगामी रविवार को भी अधिकाधिक संख्या में श्रमदान के लिए उपस्थित होने का आह्वान किया। जिला समन्वयक प्रिया चौधरी ने बताया कि यह अभियान प्रति रविवार को प्रात: 7 बजे से 8.30बजे तक चलेगा। साथ ही मानव श्रमदान के साथ ही नगरपालिका प्रशासन द्वारा मशीनों से भी जलकुम्भी निकाली जाएग। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि वे मां माचना को स्वच्छ एवं संरक्षित बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभाएं।